www.xtrapapers.com

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE LOCAL EXAMINATIONS SYNDICATE
in collaboration with
MINISTRY OF EDUCATION, SINGAPORE
General Certificate of Education Ordinary Level

HINDI **3195/02**

Paper 2 Language Usage and Comprehension

October/November 2005

1 hour 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, index number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen on both sides of the paper.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.

This document consists of **8** printed pages.

Singapore Examinations and Assessment Board
UNIVERSITY of CAMBRIDGE International Examinations

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

Section A

खंड क

A1 Combination of Words [10]
संधि

निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए और अपने उत्तर दिए गए उत्तर पत्र में लिखिए।

1 सदा + एव

2 महा + आत्मा

3 सु + आगत

4 सत् + जन

5 रमा + ईश

A2 Idioms, Proverbs and Words in Pairs [10]
मुहावरे, लोकोक्तियाँ और सह-प्रयोग

निम्नलिखित वाक्यों में भरने के लिए नीचे दिए गए मुहावरों, लोकोक्तियों और सह-प्रयोगों में से उपयुक्त मुहावरे, लोकोक्तियाँ और सह-प्रयोग चुनिए और उन्हें उत्तर-पत्र में लिखिए।

6 मित्र वही है जो ________________ में साथ निभाए।

7 आजकल सेठ जी का __________________ है।

8 राणा प्रताप के सवार होते ही उनका घोड़ा चेतक ___________________ लगा।

9 लोग पहले ही नाराज़ थे, ज़मींदार की झिड़कियों ने ___________________ ।

10 लखीराम को परमिट लेने के लिए बाबू जी की ___________________ पड़ी।

(1)	हाथ तंग होना	(6)	आँखों में धूल झोंकना
(2)	जान पर खेलना	(7)	सुख-दुख
(3)	मनोरथ पूरा होना	(8)	आग में घी डालना
(4)	आगे-पीछे	(9)	मुट्ठी गरम करना
(5)	आसमान से बातें करना	(10)	धरती पर पाँव न पड़ना

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

A3 **Sentence Transformation**

वाक्य-रूपांतरण

निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए अधूरे वाक्यों को इस तरह बदल कर पूरा कीजिए कि उनका अर्थ ऊपर दिए गए वाक्यों से भिन्न न हो। अपने उत्तर दिए गए उत्तर-पत्र में लिखिए।

11 उसने कड़ी मेहनत की इस लिए परीक्षा में प्रथम आई।
कड़ी मेहनत के कारण वह ______________________________ ।

12 नरेश बच्चों को तैरना सिखा रहा है।
बच्चों को नरेश द्वारा ______________________________ ।

13 राम ने घर में क़दम रखा और बरसात होने लगी।
राम के घर में ______________________________ ।

14 अपने कर्तव्य का पालन करना सीखो।
आपको अपने कर्तव्य का ______________________________ ।

15 निशा कार चला रही है।
कार निशा द्वारा ______________________________ ।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

A4 Cloze Passage
क्लोज़ पैसेज

नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर उनकी संख्या को अपने उत्तर पत्र में लिखिए।

रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद आज __16__ आई है। कितना मनोहर, कितना सुहावना __17__ है। वृक्षों पर अजीब हरियाली है, __18__ पर कुछ अजीब लालिमा है। गाँव में कितनी __19__ है। ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं। किसी के कुरते में बटन नहीं हैं। पड़ोस के घर से सुई-धागा लेने दौड़ा जा रहा है। किसी के जूते कड़े हो गए हैं, उनमें तेल डालने के लिए तेली के घर भागा जाता है। जल्दी-जल्दी बैलों को __20__ दे दें। ईदगाह से लौटते-लौटते देर हो जाएगी। तीन __21__ का पैदल रास्ता, फिर सैंकड़ों आदमियों से मिलना-भेंटना। दोपहर से पहले __22__ असंभव है। लड़के सबसे ज़्यादा प्रसन्न हैं। किसी ने एक __23__ रखा है, वह भी दोपहर तक, किसी ने वह भी नहीं, लेकिन ईदगाह जाने की खुशी उनके हिस्से की चीज़ है। रोज़े __24__ के लिए होंगे। इनके लिए तो ईद है। रोज़ ईद का नाम रटते थे। आज वह आ गई। अब जल्दी पड़ी है कि लोग __25__ क्यों नहीं चलते। इन्हें गृहस्थी की चिन्ताओं से क्या प्रयोजन। सेवैयों के लिए दूध और शक्कर घर में है या नहीं, इनकी बला से, ये तो सेवैयाँ खाएँगे।

(1)	हलचल	(6)	ईद	(11)	शाम
(2)	धरती	(7)	मील	(12)	भोजन
(3)	ईदगाह	(8)	आसमान	(13)	सानी-पानी
(4)	रोज़ा	(9)	प्रभात	(14)	गज
(5)	बच्चों	(10)	लौटना	(15)	बड़े-बूढ़ों

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

Section B
खंड 'ख'

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

दीपक का इतिहास हज़ारों साल पुराना है। कुछ प्राचीन गुफाओं में इतनी सुन्दर चित्रकारी मिलती है जिसे दीये के बिना बना पाना संभव नहीं था। शुरुआत में पत्थर और सीप के दीये बनाए जाते थे। बाद में पकी मिट्टी, रत्नों और धातुओं से बनाए जाने लगे। भारत में हड़प्पा और मोहन जोदड़ो की खुदाई से पकी मिट्टी के दीये मिले हैं, जिनसे घरों में और सड़कों पर रोशनी की जाती थी। सदियों के बाद भी दीये की तकनीक में ख़ास बदलाव नहीं आया है। वही मिट्टी का पात्र, रूई की बाती और तेल या घी। लेकिन दीये का रूप-रंग कला के परिष्कार के साथ-साथ बदलता रहा है।

दीपकों को दो बड़ी श्रेणियों में बाँटा जा सकता है। नित्य प्रयोग में आने वाले दीप और विशेष अवसरों और स्थानों पर काम आने वाले नैमित्तिक दीप। नैमित्तिक दीपक भी कई तरह के होते हैं। रात-दिन निरन्तर जलने वाले नन्दादीप, सभा-समारोहों में जलाए जाने वाले बड़े आकार के स्तंभ दीप, पूजा के समय जलाए जाने वाले आरती दीप, शयन कक्ष में जलाए जाने वाले रति दीप और मुग़ल काल में शाही ज़नानख़ानों में जलाए जाने वाले वलय दीप। कला की दृष्टि से सबसे सुन्दर दीये मंदिरों और महलों में मिलते हैं।

मंदिरों के प्रवेश द्वारों के सामने बनाए जाने वाले दीप-स्तंभों को दीप मालिका और मंदिरों के भीतर भगवान के कमरे के बाहर दोनों तरफ़ रखे जाने वाले आदमक़द दीयों को दीपलक्ष्मी कहा जाता है। दीपलक्ष्मी को अप्सराओं और पशु-पक्षियों की सुन्दर आकृतियों में ढाला जाता है और दीप मालिका को रक्षकों और वृक्षों की कलात्मक आकृतियों में। आरती के दीयों के हत्थे नाग, मछली, मगर और फूलों की सुन्दर आकृतियों में ढाले जाते हैं। कलात्मक दीयों को मोर, तोते, शेर, और सुराहियों के आकारों में भी ढाला गया। शाही ज़नानख़ानों में जलाए जाने वाले वलय दीप महीन जालीदार गुम्बद लिये होते थे। इन गोलाकार दीयों को किसी भी तरफ़ घुमाया जाए, इनकी लौ एक ही तरफ़ रहती थी।

B5 MCQ Comprehension [14]
आशय समझना

अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे चार-चार उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर को चुन कर उत्तर पत्र में उसकी संख्या लिखिए।

26 शुरुआत में दीये किन चीज़ों से बनाए जाते थे?

(1) पकी मिट्टी से
(2) पत्थर और सीप से
(3) धातुओं और रत्नों से
(4) बाती और तेल से

27 मोहन जोदड़ो में मिले दीये

(1) घरों और सड़कों पर रोशनी करने के काम आते थे
(2) महलों और शाही ज़नानख़ानों की सजावट के काम आते थे
(3) मंदिरों में आरती के काम आते थे
(4) सभा-समारोहों में प्रकाश के लिए जलाए जाते थे

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

28 दीये की कौन सी चीज़ सदियों के बाद भी नहीं बदली है?

(1) रूप-रंग
(2) बनावट
(3) कलात्मकता
(4) तकनीक

29 निम्नलिखित में से किस को नैमित्तिक दीप **नहीं** कहा जा सकता?

(1) दीप मालिका
(2) सड़कों पर रोशनी के लिए जलाए जाने वाले दीये
(3) नन्दादीप
(4) सभा-समारोहों में प्रकाश के लिए जलाए जाने वाले स्तंभ दीप

30 दीपलक्ष्मी वे दीये होते हैं

(1) जो पूजा के लिए जलाए जाते हैं
(2) जो मंदिरों के भीतर भगवान के कमरे के बाहर दोनों तरफ़ रखे जाते हैं
(3) जो मंदिरों के प्रवेश द्वारों के सामने मिलते हैं
(4) जो रात-दिन निरन्तर जलते रहते हैं

31 दीप मालिका को किन आकृतियों में ढाला जाता है?

(1) रक्षकों और वृक्षों की आकृतियों में
(2) मोर, तोते, शेर, और सुराहियों की आकृतियों में
(3) नाग, मछली, मगर और फूलों की आकृतियों में
(4) अप्सराओं और पशु-पक्षियों की आकृतियों में

32 शाही ज़नानख़ानों में क्या जलाया जाता था?

(1) रति दीप
(2) वलय दीप
(3) स्तंभ दीप
(4) आदमक़द दीया

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

Section C

खंड 'ग'

नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर जहाँ तक संभव हो, अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए, पूरे-पूरे वाक्यों में दीजिए।

ग्वालियर एक दूसरे से जुड़े तीन शहरों से बना है। पहला है प्राचीन शहर ग्वालियर। दूसरा है लश्कर, जिसे सन् 1800 के आस-पास महाराजा दौलतराव सिंधिया ने अपनी सेना की छावनी के लिए बसाया था। तीसरा है मुरार, जो ग्वालियर के मशहूर किले के पूरब में है और अंग्रेज़ों की सैनिक छावनी रहा है। ग्वालियर के पास ही ऐतिहासिक क़स्बा आंतरी है, जहाँ संगीत सम्राट तानसेन के पहले संगीत गुरु गोविंद स्वामी रहा करते थे। पन्द्रहवीं सदी में ग्वालियर का संगीत की दुनिया में इतना नाम था कि ग्वालियर की तान और मुल्तान की कमान जैसी कहावतें लोगों की ज़बान पर चढ़ गई थीं। यह वही ज़माना था जब कलाप्रेमी राजा मानसिंह की वह संगीत सभा पूरी आन-बान के साथ ग्वालियर के किले पर जमती थी जिसमें ध्रुपद राग ने जन्म लिया।

ग्वालियर के विश्वप्रसिद्ध किले को किस ने और कब बनवाया इसे लेकर कई किंवदंतियाँ प्रचलित हैं। उनमें से प्रमुख यह है कि प्राचीन काल में कच्छवाहा राजा सूर्यसेन को कोढ़ हो गया था। शिकार के लिए घूमते राजा की भेंट ग्वालियर की पहाड़ी पर तपस्या कर रहे गालव नाम के ऋषि से हो गई जिस की कृपा दृष्टि से सूर्यसेन रोगमुक्त हो गया। राजा ने उसी गालव ऋषि के नाम पर ग्वालियर किले का निर्माण कराया। लगभग पाँच सौ फ़ुट ऊँची पहाड़ी के समतल शिखर पर बनाए गए इस किले को मुग़ल बादशाह बाबर ने भारत के किलों का मोती बताया था। किले के मुख्य द्वार में प्रवेश करते ही राजा मानसिंह का बनवाया मान मंदिर आपका स्वागत करता है। किले में दूसरी आलीशान इमारतें हैं सास बहू का मंदिर और तेली का मंदिर, जिनका एक-एक कोना अपनी कला से मन मोह लेता है।

किला गेट से बाहर आते ही थोड़ी दूर पर, ग्वालियर शहर में, अकबर के ज़माने के सूफ़ी संत हज़रत मुहम्मद ग़ौस का शानदार मकबरा है, जिसे मुग़ल शैली का बेहतरीन नमूना माना जाता है। इसी के क़दमों में है इस सूफ़ी संत के शिष्य तानसेन की सादा सी समाधि। इस मकबरे को देखकर ग्वालियर से लश्कर की ओर आते समय सबसे पहले झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का स्मारक आपका स्वागत करता है। वहाँ से हाई कोर्ट की तरफ़ जाने वाली सड़क आप को महाराजा ग्वालियर के महल जय विलास ले जाती है, जिस का एक भाग जीवाजी संग्रहालय में बदल दिया गया है।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

C6 Comprehension
आशय समझना

33 ग्वालियर कैसे बसा हुआ है, उसे किसने बसाया और क्यों?

34 आंतरी क्या है और उसका क्या महत्व है?

35 पुराने ज़माने में ग्वालियर किन चार बातों के लिए प्रसिद्ध था?

36 ग्वालियर का किला किस ने बनवाया और क्यों?

37 ग्वालियर के किले की उल्लेखनीय इमारतें कौन सी हैं और उनकी क्या विशेषता है?

38 हज़रत मुहम्मद ग़ौस की दो बड़ी विशेषताएँ और उनके मकबरे के बारे में बताइए।

C7 Vocabulary [10]
शब्दार्थ

अवतरण के रेखांकित शब्दों को नीचे दिया गया है। इनका अर्थ हिंदी में लिखिए।

39 ऐतिहासिक

40 आन-बान

41 किंवदंतियाँ

42 बेहतरीन

43 संग्रहालय

End of Paper

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers